खण्ड - ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है । 5 × 2 = 10

(क) पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्वपूर्ण आधार है । दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, उतना ही सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण गतिविधियों के लिए आवश्यक भी है । पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ न कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है । हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में ही होता है । आकस्मिक आपदा एवं आवश्यकता के समय पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है ।

(i) सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार क्या है ?

(ii) पड़ोस क्यों आवश्यक है ?

(iii) पड़ोसी के साथ क्या बिठाना पड़ता है ?

(iv) पड़ोस में कौन हो सकते हैं ?

(v) सबसे विश्वस्त सहायक कौन हो सकता है ?

RK EXPERT CLASSES

(ख) स्वतंत्र भारत का सम्पूर्ण दायित्व आज विद्यार्थियों के कंधे पर है । कारण आज जो विद्यार्थी हैं, वे ही कल भारत के नागरिक होंगे । भारत की उन्नति एवं उसका उत्थान विद्यार्थियों की उन्नति एवं उत्थान पर निर्भर करता है । अतएव विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने भावी जीवन का निर्माण बड़ी सतर्कता और सावधानी के साथ करें । उन्हें प्रत्येक क्षण अपने राष्ट्र, अपने समाज, अपने धर्म, अपनी संस्कृति को अपनी आँखों के सामने रखना चाहिए जिससे उनके जीवन से राष्ट्र को कुछ शक्ति प्राप्त हो सके । जो विद्यार्थी राष्ट्रीय दृष्टिकोण से अपने जीवन का निर्माण नहीं करते, वे राष्ट्र और समाज के लिए बोझ बन जाते हैं ।

(i) किसी देश की उन्नति और उत्थान किन पर निर्भर करता है ?

(ii) राष्ट्र को शक्तिशाली बनाने हेतु विद्यार्थियों का क्या कर्त्तव्य है ?

(iii) किस प्रकार के विद्यार्थी राष्ट्र और समाज के लिए बोझ बन जाते हैं ?

(iv) आने वाले कल में भारत के नागरिक कौन होंगे ?

(v) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **250 - 300** शब्दों में निबंध लिखें :

$1 \times 10 = 10$

(क) अनुशासन

(ख) दहेज प्रथा

(ग) आदर्श विद्यार्थी

(घ) दीपावली

(ङ) महात्मा गाँधी

3. अपने पिता के पास एक पत्र लिखें जिसमें पुस्तक खरीदने के लिए रुपए भेजने का उल्लेख हो ।

$1 \times 5 = 5$

अथवा

ध्वनि-प्रदूषण को केन्द्र में रखकर दो छात्रों के बीच का संवाद लिखें ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें : $5 \times 2 = 10$

(क) दारोगाजी की तरक्की रुकने की क्या वजह थी ?

(ख) फाह्यान कौन थे ? वे नालंदा कब आए थे ?

(ग) गार्हस्थ्य कर्म विधान में स्त्रियाँ किस तरह के गीत गाती हैं ?

(घ) रैदास ने अपने ईश्वर को किन-किन नामों से पुकारा है ?

(ङ) महादेवी वर्मा किसे मलिन नहीं करने की बात करती हैं और क्यों ?

(च) कवि लीलाधर जगूड़ी ने क्यों दुखी न रहने की बात ठान ली है ?

(छ) लोकगीत किसे कहते हैं ?

(ज) दरभंगा घराना के सर्वश्रेष्ठ गायक कौन माने जाते हैं और इनका प्रिय गायन क्या था ?

(झ) भारतीय नृत्य कला मंदिर कहाँ है ? उसकी स्थापना किसने की थी ?

(ञ) मधुबनी चित्रकला क्या है ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रशन का उत्तर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

(क) "ग्राम-गीत हृदय की वाणी है, मस्तिष्क की ध्वनि नहीं" – आशय स्पष्ट करें ।

(ख) "मन ही पूजा मन ही धूप । मन ही सेऊँ सहज सरूप" – भाव स्पष्ट करें ।

RK EXPERT CLASSES

गद्यांश (क) के उत्तर

- **(i) सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार क्या है?**
    - **उत्तर:** सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार **पड़ोस** है।
- **(ii) पड़ोस क्यों आवश्यक है?**
    - **उत्तर:** पड़ोस **सामाजिक सुरक्षा** और सामाजिक जीवन की **आनंदपूर्ण गतिविधियों** के लिए आवश्यक है।
- **(iii) पड़ोसी के साथ क्या बिठाना पड़ता है?**
    - **उत्तर:** पड़ोसी के साथ कुछ न कुछ **सामंजस्य** (तालमेल) बिठाना पड़ता है।

- **(iv) पड़ोस में कौन हो सकते हैं?**
  - **उत्तर:** पड़ोस में **अमीर या गरीब** कोई भी व्यक्ति हो सकता है।
- **(v) सबसे विश्वस्त सहायक कौन हो सकता है?**
  - **उत्तर:** आकस्मिक आपदा और जरूरत के समय **पड़ोसी** ही सबसे बड़ा विश्वस्त सहायक हो सकता है।

2.(घ) दीपावली

(i) भूमिका—प्रत्येक समाज त्योहारों के माध्यम से अपनी खुशी एक साथ प्रकट करता है। हिन्दुओं के प्रमुख त्योहार होली, रक्षाबंधन, दशहरा और दीपावली हैं। इनमें से दीपावली सबसे प्रमुख त्योहार है। इस त्योहार का ध्यान आते ही मन-मयूर नाच उठता है। यह त्योहार दीपों का पर्व होने से हम सभी का मन आलोकित करता है।

(ii) दीपावली की तैयारी—यह त्योहार लगभग सभी धर्म के लोग मनाते हैं। इस त्योहार के आने के कई दिन पहले से ही घरों की लिपाई-पुताई, सजावट प्रारंभ हो जाती है। नए कपड़े बनवाए जाते हैं, मिठाइयां बनाई जाती हैं। वर्षा के बाद की गंदगी भव्य आकर्षण, सफाई और स्वच्छता में बदल जाती है। लक्ष्मी जी के आगमन में चमक-दमक की जाती है। यह त्योहार पांच दिनों तक मनाया जाता है। धनतेरस से भाई दूज तक यह त्योहार चलता है। धनतेरस के दिन व्यापारी अपने बहीखाते नए बनाते हैं। अगले दिन नरक चौदस के दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करना अच्छा माना जाता है। अमावस्या के दिन लक्ष्मीजी की पूजा की जाती है।

(iii) इतिहास—यह त्योहार कार्तिक माह की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। अमावस्या की अंधेरी रात जगमग असंख्य दीपों से जगमगाने लगती है। कहते हैं भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, इस खुशी में अयोध्यावासियों ने दीये जलाकर उनका स्वागत किया था।

(iv) इससे लाभ और हानि : दीपावली के लाभ—दीपावली का त्योहार सभी के जीवन को खुशी प्रदान करता है। नया जीवन जीने का उत्साह प्रदान करता है। दीपावली से आपसी प्रेम बढता है जिससे संबंधों में मिठास आती है। दीपावली से सभी तरह के व्यापार में तेजी आती हैं क्यूँकि यह त्यौहार में हर चीज नयी आती है। कुटीर उद्योगों के लिए भी दीपावली का त्यौहार खुशियाँ लाता है। मिट्टी का समान, साज सज्जा का समान कुटीर उद्योग द्वारा बनाये जाते हैं, जिनसे उनकी जीविका चलती है।

दीपावली के हानि—कुछ लोग इस दिन जुआ खेलते हैं, जो घर व समाज के लिए बड़ी बुरी बात है। पटाखों के कारण प्रदूषण फैलता है। अत्यधिक मिष्ठान और पकवान से स्वास्थ्य बिगड़ता है। दिखावा के चक्कर में लोग फिजूल खर्च करते हैं।

(v) उपसंहार—हमें इस बुराई से बचना चाहिए। पटाखे सावधानीपूर्वक छोड़ने चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे किसी भी कार्य एवं व्यवहार से किसी को भी दुख न पहुंचे, तभी दीपावली का त्योहार मनाना सार्थक होगा।

(ङ) महात्मा गाँधी

(i) प्रस्तावना—"अहिंसा परमो धर्म:" के सिद्धांत को नींव बना कर, विभिन्न आंदोलनों के माध्यम से महात्मा गाँधी ने देश को गुलामी की जंजीर से आजाद कराया। वह अच्छे राजनीतिज्ञ के साथ बहुत अच्छे वक्ता भी थे। उनके द्वारा बोले गए वचनों को आज भी लोगों द्वारा दोहराया जाता है।

(ii) जन्म-स्थान—गाँधीजी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। भारत को स्वतंत्रता दिलवाने में उन्होंने अहम भूमिका निभायी थी। 2 अक्टूबर को हम उन्हीं की याद में गाँधी जयंती मनाते है। वह सत्य के पुजारी थे। गाँधीजी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था।

(iii) शिक्षा—गाँधीजी ने पोरबंदर में पढ़ाई की थी और फिर माध्यमिक परीक्षा के लिए राजकोट गए थे। वह अपनी वकालत की आगे की पढ़ाई पूरी करने के लिए इंग्लैंड चले गए। गाँधीजी ने 1891 में अपनी वकालत की शिक्षा पूरी की। लेकिन किसी कारणवश उन्हें अपने कानूनी केस के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा। वहाँ जाकर उन्होंने रंग के चलते हो रहे भेद-भाव को महसूस किया और उसके खिलाफ अपनी आवाज उठाने की सोची। वहाँ के लोग लोगों पर ज़ुल्म करते थे और उनके साथ दुर्व्यवहार करते थे।

(iv) देश के लिए योगदान—भारत वापस आने के बाद उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की तानाशाह को जवाब देने के लिए और अपने लिखे समाज को एकजुट करने के बारे में सोचा। इसी दौरान उन्होंने कई आंदोलन किये जिसके लिए वे कई बार जेल भी जा चुके थे। गाँधी जी ने बिहार के चम्पारण जिले में जाकर किसानों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। यह आंदोलन उन्होंने जमींदार और अंग्रेजों के खिलाफ किया था। एक बार गाँधीजी को स्वयं एक गोरे ने ट्रेन से उठाकर बाहर फेंक दिया क्योंकि उस श्रेणी में केवल गोरे यात्रा करना अपना अधिकार समझते थे परंतु गाँधीजी उस श्रेणी में यात्रा कर रहे थे। गाँधीजी ने प्रण लिया कि वह काले लोगों और भारतीयों के लिए संघर्ष करेंगे। उन्होंने वहाँ रहने वाले भारतीयों के जीवन सुधार के लिए कई आन्दोलन किये। दक्षिण अफ्रीका में आन्दोलन के दौरान उन्हें सत्य और अहिंसा का महत्त्व समझ में आया। जब वह भारत वापस आए तब उन्होंने वही स्थिति यहाँ पर भी देखी, जो वह दक्षिण अफ्रीका में देखकर आए थे। 1920 में उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया और अंग्रेजों को ललकारा।

(v) उपसंहार—गाँधीजी का कहना था कि 7 से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए। शिक्षा का माध्यम मातृभाषा हो। साक्षरता को शिक्षा नहीं कहा जा सकता। शिक्षा बालक के मानवीय गुणों का विकास करता है। गाँधीजी को बचपन में लोग मंदबुद्धि समझते थे, पर आगे चल कर इन्होंने भारतीय शिक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रश्न 3. पत्र लेखन

विकल्प 1: अपने पिता के पास पत्र

स्थान: परीक्षा भवन, पटना
दिनांक: 25 जून 2026

पूजनीय पिताजी,
सादर चरण स्पर्श।

मैं यहाँ सकुशल हूँ और आशा करता हूँ कि आप सब भी वहाँ सानंद होंगे। मेरी नई कक्षा की पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू हो गई है। शिक्षकों ने पढ़ाई के लिए कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण संदर्भ पुस्तकें (Reference Books) खरीदने की सलाह दी है, जो मेरी वार्षिक परीक्षा की तैयारी के लिए बहुत आवश्यक हैं।

इन पुस्तकों को खरीदने के लिए मुझे लगभग ₹500 की आवश्यकता है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि मुझे जल्द से जल्द यह राशि मनीऑर्डर या ऑनलाइन माध्यम से भेजने की कृपा करें। माताजी को प्रणाम और छोटों को ढेर सारा प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र,

नाम:

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (सभी 10 प्रश्नों के उत्तर):

- **(क) दारोगाजी की तरक्की रुकने की क्या वजह थी?**

  उत्तर: दारोगाजी के पास एक अत्यंत सुंदर और तेज तर्रार घोड़ी थी। कई अंग्रेज अफसर उसे खरीदना चाहते थे, लेकिन दारोगाजी के मना करने पर वे नाराज हो गए और उनकी तरक्की रोक दी गई।

- **(ख) फाह्यान कौन थे? वे नालंदा कब आए थे?**

  उत्तर: फाह्यान एक चीनी बौद्ध भिक्षु थे। वे चौथी शताब्दी ईस्वी में नालंदा आए थे।

- **(ग) गार्हस्थ्य कर्म विधान में स्त्रियाँ किस तरह के गीत गाती हैं?**
  उत्तर: घरेलू और खेतों के काम जैसे चक्की पीसना, धान कूटना या चरखा चलाते समय स्त्रियाँ श्रम को कम करने के लिए "ग्राम-गीत" (लोकगीत) गाती हैं।
- **(घ) रैदास ने अपने ईश्वर को किन-किन नामों से पुकारा है?**
  उत्तर: रैदास ने ईश्वर को राम, स्वामी, हरि, गोबिंद, माधव और गुसईं जैसे आत्मीय नामों से पुकारा है।

- **(ङ) महादेवी वर्मा किसे मलिन नहीं करने की बात करती हैं और क्यों?**
  उत्तर: महादेवी वर्मा अपने **आगमन के पथ (रास्ते)** को मलिन न करने की बात करती हैं, क्योंकि उनका जीवन दुख की बदली की तरह निष्काम है, जिसके आने से संसार को कोई कष्ट या विकार नहीं होता।

- **(च) कवि लीलाधर जगूड़ी ने क्यों दुखी न रहने की बात ठान ली है?**
  उत्तर: कवि ने विपरीत परिस्थितियों और जीवन के संघर्षों के सामने हार न मानने तथा आने वाले उज्ज्वल भविष्य के प्रति आशावान रहने के कारण दुखी न रहने की बात ठान ली है।

- **(छ) लोकगीत किसे कहते हैं?**
  उत्तर: आम जनता द्वारा बिना किसी शास्त्रीय नियम के, अपने पारंपरिक उत्सवों और लोक-जीवन के अवसरों पर गाए जाने वाले गीतों को लोकगीत कहते हैं।

- **(ज) दरभंगा घराना के सर्वश्रेष्ठ गायक कौन माने जाते हैं और इनका प्रिय गायन क्या था?**
  उत्तर: दरभंगा घराना के सर्वश्रेष्ठ गायक **पंडित राम चतुर मल्लिक** माने जाते हैं। उनका प्रिय गायन **ध्रुपद और ख्याल** था।

- **(झ) भारतीय नृत्य कला मंदिर कहाँ है? उसकी स्थापना किसने की थी?**
  उत्तर: भारतीय नृत्य कला मंदिर **पटना (बिहार)** में स्थित है। इसकी स्थापना प्रसिद्ध कला-साधक **हरिuppल (हरि पद) चौधुरी** ने की थी।

- **(ञ) मधुबनी चित्रकला क्या है?**

  उत्तर: मधुबनी चित्रकला बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र की एक अत्यंत प्रसिद्ध पारंपरिक लोक कला (पारंपरिक पेंटिंग) है, जिसमें उंगलियों, माचिस की तीलियों और प्राकृतिक रंगों (जैसे हल्दी, पेड़-पौधों के रस) से दीवारों और कपड़ों पर सुंदर आकृतियाँ बनाई जाती हैं।

5.

(क) "ग्राम-गीत हृदय की वाणी है, मस्तिष्क की ध्वनि नहीं"

भाव: इस पंक्ति का अर्थ है कि ग्राम-गीत किसी कृत्रिम बनावट या जटिल दिमागी (मस्तिष्क) नियमों से नहीं रचे जाते। इनमें ग्रामीण जीवन की सरल और सच्ची भावनाएँ सीधे उनके हृदय से स्वतः प्रस्फुटित होती हैं।

(ख) "मन ही पूजा मन ही धूप। मन ही सेऊँ सहज सरूप"

भाव: संत रैदास की इन पंक्तियों का भाव यह है कि ईश्वर की सच्ची भक्ति बाहरी कर्मकांडों, मूर्तियों, अगरबत्ती या धूप दिखाने में नहीं है। हमारा पवित्र मन ही ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा और धूप है। मन की शुद्धता से ही ईश्वर के वास्तविक (सहज) रूप की सेवा और दर्शन किए जा सकते हैं।